

# UPSC & ALL STATE PCS EXAM



# DAILY CURRENT AFFAIRS

## 03 DECEMBER 2024

- ◆ जनगणना 2025 एवं रूपरेखा
- ◆ ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती और अजमेर शरीफ दरगाह चर्चा में
- ◆ नागालैंड में हॉर्नबिल महोत्सव शुरू।
- ◆ घरचोला को G टैग एवं G टैग का इतिहास
- ◆ मेघालय में मेगोंग महोत्सव
- ◆ संघीय जांच ब्यूरो के नए निदेशक
- ◆ 72वा महाबोधि महोत्सव
- ◆ WTO के महानिदेशक एवं WTO की भूमिका

● LIVE 8:00 AM

Er. Ravi Mohan Sharma Sir





### जनगणना 2025 एवं रूपरेखा

- कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित हुई 2021 की जनगणना अब 2025 में शुरू होगी। यह जनगणना 2026 तक पूरी होगी और रिपोर्ट जारी की जाएगी।
- भारत की जनसंख्या 2025 में 146 करोड़ और 2035 तक उत्पादकता में वृद्धि की संभावना है। UNDESA ने अप्रैल 2023 में भारत की जनसंख्या को चीन से अधिक होने का अनुमान लगाया।





### जनगणना 2025 एवं रूपरेखा

- 2062 के बाद भारत की जनसंख्या घटने की संभावना है, जबकि 2011 की जनसंख्या वृद्धि दर 1.64% थी, जो स्वतंत्रता के बाद सबसे कम थी।
- 2025 की जनगणना 2026 की शुरुआत में समाप्त होगी। डाटा को शीघ्र तैयार करने का प्रयास है, ताकि परिसीमन प्रक्रिया 2026 तक पूरी हो सके।



### जनगणना 2025 एवं रूपरेखा

- परिसीमन से लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों का सीमांकन होगा और महिलाओं के लिए 33% सीट आरक्षित करने वाले विधेयक को लागू करने में मदद मिलेगी।

# भारत में जनगणना का इतिहास

- भारत की पहली समकालिक जनगणना 1881 में डब्ल्यू. सी. प्लोडेन के नेतृत्व में हुई थी और तब से हर दस वर्षों में आयोजित होती रही है।
- 1872 में पहली आधुनिक जनगणना लॉर्ड मेयो के शासनकाल में शुरू हुई, लेकिन यह सभी क्षेत्रों में समकालिक नहीं थी।
- 1881 की दूसरी जनगणना लॉर्ड रिपन के शासनकाल में पूर्ण समकालिकता के साथ आयोजित हुई।



1872 में पहली आधुनिक जनगणना

↳ लॉर्ड मेयो के शासनकाल में

1881 में दूसरी जनगणना - लॉर्ड रिपन (पूर्ण समकालिकता)

1891 में तीसरी जनगणना - लॉर्ड लैसडाउन

1901 में चौथी जनगणना - पहली बार जाति और धर्म का डेटा पेश किया गया था

↳ लॉर्ड कर्जन

# भारत में जनगणना का इतिहास

इसके बाद, हर दशक में जनगणना आयोजित हुई:

- 1891: तीसरी जनगणना, लॉर्ड लैंसडाउन।
- 1901: चौथी जनगणना, लॉर्ड कर्जन (पहली बार धर्म और जाति के डेटा)।
- 1911: पांचवीं जनगणना, लॉर्ड हार्डिंग।
- 1921: छठी जनगणना, लॉर्ड चेम्सफोर्ड।
- 1931: सातवीं जनगणना, लॉर्ड इरविन।



# भारत में जनगणना का इतिहास

- 1948 में भारत की जनगणना अधिनियम लागू हुआ, जो इस प्रक्रिया के लिए कानूनी ढाँचा प्रदान करता है, लेकिन दशकीय आवृत्ति को अनिवार्य नहीं बनाता।
- दशकीय जनगणना एक परंपरा है, न कि संवैधानिक आवश्यकता।
- गृह मंत्रालय के अंतर्गत भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त का कार्यालय जनगणना संचालन की जिम्मेदारी संभालता है।







### जनगणना 2025 एवं रूपरेखा

#### जनगणना 2025 की प्रमुख विशेषताएं

- **डिजिटल रूप से संचालित:** इस बार की जनगणना को अधिक कुशल और सटीक बनाने के लिए डिजिटल तकनीकों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाएगा। 2025 की जनगणना डिजिटल होगी। पहली बार स्व-गणना पोर्टल और ऐप की मदद से लोग ऑनलाइन जानकारी दर्ज कर सकते हैं। आधार और मोबाइल नंबर अनिवार्य होगा।

डिजिटल



### जनगणना 2025 एवं रूपरेखा

#### जनगणना 2025 की प्रमुख विशेषताएं

- **लोकसभा सीटों का परिसीमन:** जनगणना के परिणामों का उपयोग लोकसभा सीटों के परिसीमन के लिए किया जाएगा, जो देश की राजनीतिक संरचना को प्रभावित करेगा।
- **विस्तृत डेटा:** जनगणना में जनसंख्या, शिक्षा, रोजगार, धर्म, जाति, लिंग अनुपात, और अन्य कई सामाजिक-आर्थिक संकेतकों के बारे में विस्तृत डेटा एकत्र किया जाएगा।



जनगणना 2025 एवं रूपरेखा

जनगणना 2025 की प्रमुख विशेषताएं

- **नया चक्र:** कोविड-19 महामारी के कारण 2021 में जनगणना नहीं हो पाई थी। इस बार, जनगणना के चक्र में बदलाव किया गया है और अब यह हर 10 साल में होगी।

10 साल



## जनगणना 2025 एवं रूपरेखा

### जनगणना 2025 के उद्देश्य

- देश की जनसंख्या का आकार और वितरण: देश की कुल जनसंख्या, घनत्व, और विभिन्न राज्यों एवं जिलों में जनसंख्या वितरण का आकलन करना।
- सामाजिक-आर्थिक संकेतक: शिक्षा का स्तर, साक्षरता दर, रोजगार, गरीबी, और अन्य सामाजिक-आर्थिक संकेतकों का आकलन करना।



## जनगणना 2025 एवं रूपरेखा

### जनगणना 2025 के उद्देश्य

- **लिंग अनुपात:** पुरुषों और महिलाओं के बीच अनुपात का आकलन करना।
- **ग्रामीण और शहरी जनसंख्या:** ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या का वितरण का आकलन करना।

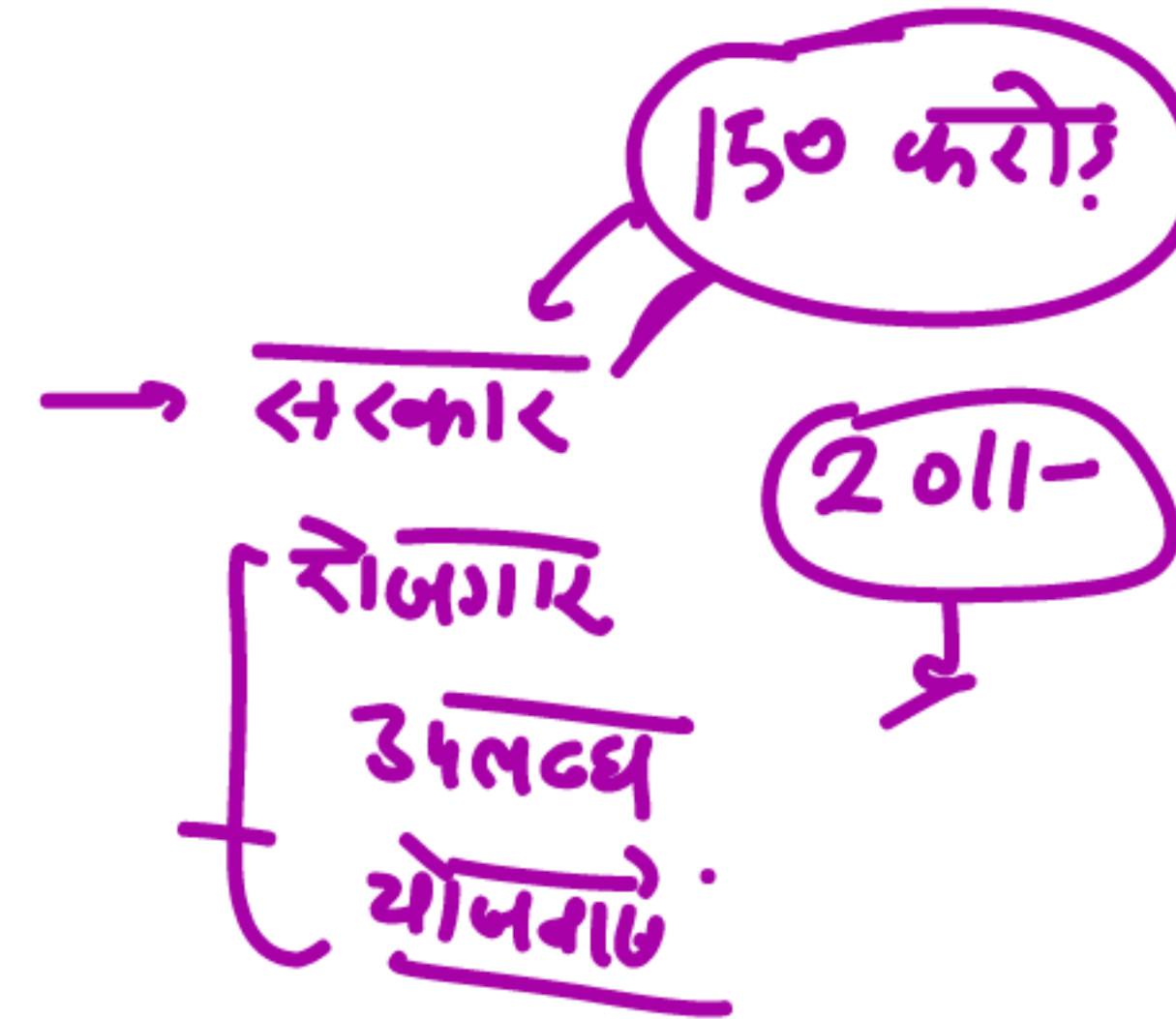


## जनगणना 2025 एवं रूपरेखा

### जनगणना 2025 का महत्व

जनगणना 2025 देश के लिए कई कारणों से महत्वपूर्ण है: →

- **नीति निर्माण:** जनगणना का डेटा सरकार को विभिन्न नीतियों को बनाने और लागू करने में मदद करेगा।
- **विकास योजनाएं:** जनगणना के डेटा का उपयोग विकास योजनाओं को तैयार करने और लागू करने में किया जाएगा।





### विश्व एड्स दिवस

- विश्व एड्स दिवस 1988 से हर साल 1 दिसंबर को मनाया जाता है। 2024 का विषय "सही रास्ता अपनाएं: मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार!" है। भारत एचआईवी रोकथाम, उपचार और समान स्वास्थ्य सेवाओं पर केंद्रित वैश्विक प्रयास में अग्रणी है।





### विश्व एड्स दिवस

- विश्व एड्स दिवस 1988 से हर साल 1 दिसंबर को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य एचआईवी/एड्स पर जागरूकता बढ़ाना, एकजुटता दिखाना और महामारी के खिलाफ वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना है।
- इसे पहली बार वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के दो पब्लिक इनफॉर्मेशन ऑफिसर, जेम्स डब्ल्यू बन और थॉमस नेटर द्वारा सुझाया गया था।





### विश्व एड्स दिवस

- यह दिन सरकारों, संगठनों और समुदायों को एचआईवी/एड्स की रोकथाम, उपचार, और देखभाल में प्रगति को उजागर करने का अवसर प्रदान करता है।
- 2024 का विषय, "सही रास्ता अपनाए: मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार!", स्वास्थ्य सेवाओं तक सभी की पहुंच और मानवाधिकारों की रक्षा पर केंद्रित है।



### विश्व एड्स दिवस

- 2023 में, भारत में एचआईवी संक्रमण दर 0.2% थी, और नए एचआईवी संक्रमणों में 2010 से 44% की कमी आई।
- भारत सरकार ने एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (ART) के जरिए 16 लाख से अधिक लोगों को मुफ्त उपचार प्रदान किया है।
- भारत का राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (एनएसीपी) 1992 से चरणबद्ध तरीके से कार्यान्वित है और वर्तमान में इसका पांचवा चरण (2021-26) चल रहा है।



### विश्व एड्स दिवस

- एनएसीपी का उद्देश्य नए संक्रमण और एड्स से संबंधित मौतों में 80% की कमी लाना और एचआईवी संक्रमित गर्भवती महिलाओं के लिए वायरल दमन सुनिश्चित करना है।
- 2024 का अभियान प्रणालीगत असमानताओं को दूर करने और स्वास्थ्य अधिकारों को मजबूत करने के लिए वैश्विक साझेदारी को बढ़ावा देता है।



## विश्व एड्स दिवस

- एचआईवी/एड्स से जुड़ी कलंक और भेदभाव को समाप्त करना इस प्रयास का एक मुख्य उद्देश्य है। //
- भारत, समावेशी स्वास्थ्य सेवाओं और अधिकार-आधारित दृष्टिकोण को अपनाकर, एचआईवी/एड्स के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

→ खाना खाने

→ HIV →

ART →

एटीरेट्रोवायरल थेरेपी

# एड्स

200 → 500-1600

- मानव इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस (एचआईवी) शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करता है।
- एड्स एचआईवी संक्रमण का अंतिम चरण है, जब वायरस के कारण शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो जाती है।

ह्यूमन → इम्यूनोडिफिशिएंसी

मानव

CD4-count



# एड्स

- एचआईवी CD4 नामक सफेद रक्त कोशिका (टी सेल) पर हमला करता है, जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा है।
- टी सेल शरीर में संक्रमण और असामान्यताओं का पता लगाते हैं और उनसे लड़ते हैं।



# एड्स

- एचआईवी शरीर में प्रवेश करने के बाद अपनी संख्या तेजी से बढ़ाता है और CD4 कोशिकाओं को नष्ट करता है, जिससे प्रतिरक्षा प्रणाली गंभीर रूप से कमजोर हो जाती है।
- एचआईवी एक बार शरीर में प्रवेश कर जाने के बाद इसे हटाया नहीं जा सकता।



# एड्स

- एक स्वस्थ व्यक्ति में CD4 की संख्या 500-1600 के बीच होती है, जबकि एचआईवी संक्रमित व्यक्ति में यह संख्या घटकर 200 तक हो सकती है।







## मेगोंग महोत्सव

- मेघालय का मेगोंग फेस्टिवल 2024 29-30 नवंबर को पश्चिम गारो हिल्स, तुरा में बालजेक हवाई अड्डे पर आयोजित होगा।
- इस बार की थीम है 'इकोज ऑफ ट्रेडिशनस', और लगभग 3 लाख लोगों के आने की उम्मीद है।

गारो जलजाटि  
↳ गारो खासी जयान्तमा





### मेगोंग महोत्सव

- फेस्टिवल में तीन मुख्य कार्यक्रम होंगे: सांस्कृतिक और संगीत प्रदर्शन, पारंपरिक खेल प्रतियोगिताएं, और हस्तशिल्प, हथकरघा तथा खाने-पीने के स्टॉल।
- एक फैशन शो भी होगा, जिसमें गारो जनजाति और उत्तर-पूर्व के पारंपरिक कपड़े प्रदर्शित होंगे।
- मेगोंग फेस्टिवल गारो लोगों की संस्कृति को दिखाने और उसे बचाने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है।

# गारो जनजाति

- गारो जनजातियाँ मुख्य रूप से मेघालय के गारो हिल्स जिलों में निवास करती हैं और उनकी सामाजिक और सांस्कृतिक प्रथाएँ विशिष्ट हैं।
  - गारो जनजातियाँ तिब्बत से विभिन्न रास्तों के माध्यम से उत्तर-पूर्व भारत में बसीं। ये असम, नागालैंड, मिजोरम, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और बांगलादेश में भी फैली हुई हैं।
- 2001 की जनगणना के अनुसार, इनकी जनसंख्या लगभग 725,502 थी।



# गारो जनजाति

उपाध्यक्ष

- गारो समाज में वंश और संपत्ति का अधिकार मां की ओर से निर्धारित होता है। महिलाएं परिवार और समाज के निर्णयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
- गारो जनजातियों का मुख्य व्यवसाय कृषि है, जिसमें स्थायी और अस्थायी पहाड़ी खेती (झूम) शामिल है। वे धान, मक्का, आलू और सब्जियाँ उगाते हैं और पशुपालन, मछली पकड़ने, शिकार और वन उत्पादों का संग्रह भी करते हैं।

रविमोहन शर्मा



# गारो जनजाति

## धर्म और विश्वास:

- गारो जनजातियाँ आत्मा-आधारित विश्वास प्रणाली का पालन करती हैं, जिसमें वे प्राकृतिक वस्तुओं और घटनाओं में आत्माओं के अस्तित्व को मानते हैं। उनका प्रकृति से गहरा संबंध है, और आत्माओं को जीवन का "अमृत" मानते हैं।



# गारो जनजाति

## सांस्कृतिक परंपराएँ:

- गारो जनजातियाँ पारंपरिक संगीत, नृत्य और त्योहारों के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखती हैं। वांगला महोत्सव, जो फसल की बुवाई के समय आभार व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है, एक प्रमुख उत्सव है। उनका पारंपरिक परिधान और वाद्य यंत्र विशेष रूप से मोतियों से सजे होते हैं।



# गारो जनजाति

## कुटुंब और कुल व्यवस्था

चाचि

- गारो जनजातियाँ "चाचि" नामक कुलों में बटी होती हैं, जो "मचोंग" उपकुलों में विभाजित होती हैं। उनके समाज में विवाह के लिए कड़े नियम होते हैं, जैसे कि समान कुल में विवाह वर्जित होता है।



# गारो जनजाति

- गारो समाज में आधुनिकता, ईसाई धर्म और शिक्षा के प्रभाव से बदलाव आए हैं। पारंपरिक प्रथाएँ जैसे कि नोक्तांते (किशोरों का विश्रामगृह) अब कम महत्व की हो गई हैं।







### संघीय जांच ब्यूरो के नए निदेशक

- डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर काश पटेल को संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक पद के लिए नामित किया।
- काश पटेल आगामी ट्रंप प्रशासन में सबसे उच्च रैंकिंग वाले भारतीय-अमेरिकी बनने जा रहे हैं।





### संघीय जांच ब्यूरो के नए निदेशक

- पटेल भारतीय अप्रवासी के बेटे हैं और उन्होंने ट्रंप के पिछले कार्यकाल में रक्षा और खुफिया विभाग में कई प्रमुख पदों पर कार्य किया।
- वह राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (NID) के डिप्टी और कार्यवाहक रक्षा सचिव के चीफ ऑफ स्टाफ रह चुके हैं।



## संघीय जांच ब्यूरो के नए निदेशक

- संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) अमेरिका की प्रमुख कानून प्रवर्तन एजेंसी है। यह अमेरिका में होने वाले संघीय अपराधों की जांच करती है। एफबीआई के निदेशक का पद काफी महत्वपूर्ण होता है और इस पद पर नियुक्ति अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

CBI

FBI  
↓

Federal Bureau investigatory



72वा महाबोधि महोत्सव **MI**

- 30 नवंबर से 1 दिसंबर 2024 तक सांची में दो दिवसीय महाबोधि महोत्सव आयोजित किया जा रहा है।
- यह आयोजन यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल सांची में मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड और जिला प्रशासन रायसेन के सहयोग से हो रहा है।

इस महोत्सव की शुरुआत  
1952 में हुई थी।

विद्यतनाम जापान  
सिंगापुर





72वा महाबोधि महोत्सव

सर हेनरी टेल्र ने 1818 में बांग्लादेश में  
रूप-की खोज की थी।

- पर्यटकों और बौद्ध अनुयायियों को प्रदेश के बौद्ध पर्यटन स्थलों की जानकारी देने के लिए विशेष प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी।
- आधुनिक तकनीक के माध्यम से गौतम बुद्ध के जीवन मूल्यों से संबंधित स्थलों को प्रचारित किया जाएगा।

1989

यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के शामिल हैं

अग्निप्रिय शुंग

लांबी रूप में

जीर्णोद्धार

सम्राट अशोक ने  
रक्षा मित्रि कराया था।

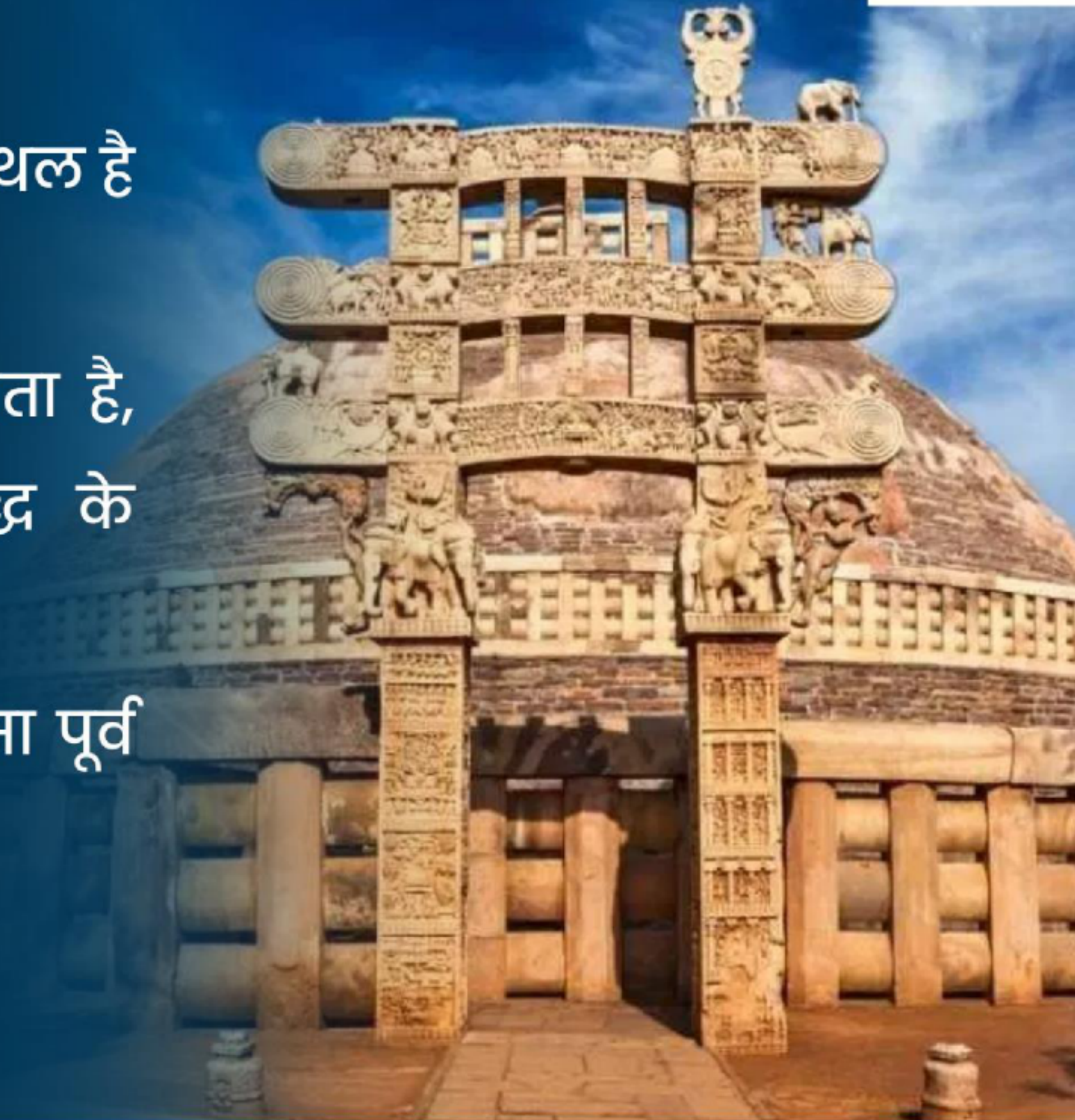


### 72वा महाबोधि महोत्सव

- साहित्य, ऑडियो, और वीडियो सामग्री के माध्यम से बौद्ध स्थलों की जानकारी प्रदान की जाएगी।
- कार्यक्रम का आयोजन संस्कृति विभाग द्वारा किया गया है और प्रवेश निःशुल्क रहेगा।
- कार्यक्रम का मुख्य स्थल बुद्ध जम्बूद्वीप पार्क, सांची है।

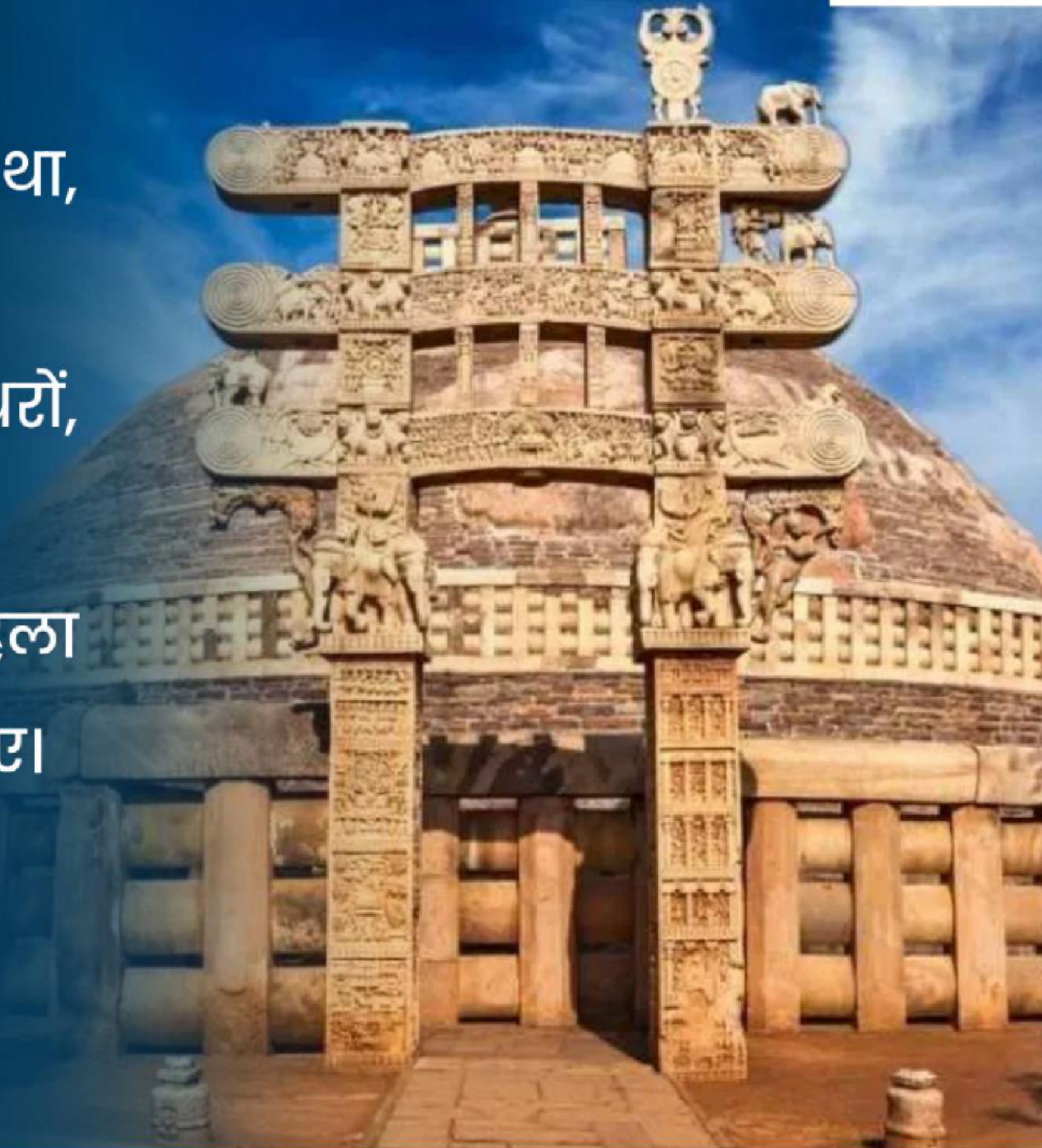
# सांची का स्तूप

- सांची का स्तूप 1989 से यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है और यह मध्य प्रदेश में स्थित है।
- स्तूप 1, जिसे सांची का महान स्तूप कहा जाता है, सबसे प्राचीन और महत्वपूर्ण है। इसमें बुद्ध के अवशेष माने जाते हैं।
- इसे मौर्य सम्राट अशोक ने तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में बनवाया था।



# सांची का स्तूप

- प्रारंभ में यह अपने वर्तमान आकार से छोटा था, लेकिन बाद में इसका विस्तार किया गया।
- मूल संरचना ईंटों से बनी थी, जिसे बाद में पत्थरों, वेदिका और तोरण (गेटवे) से सजाया गया।
- स्तूप में चार मुख्य तोरण द्वार हैं, जिनमें से पहला दक्षिण दिशा में बनाया गया। बाकी बाद में जोड़े गए।





# सांची का स्तूप

- तोरण द्वार सुंदर मूर्तियों और नक्काशी से सुसज्जित हैं। प्रत्येक तोरण में दो खड़ी स्तंभ और तीन क्षैतिज बार होते हैं, जिन पर दोनों ओर उत्कृष्ट नक्काशी होती है।
- नक्काशी में शालभंजिका (पेड़ की शाखा पकड़े महिला) और जातक कथाओं की कहानियां दर्शाई गई हैं।
- इसमें दो परिक्रमा पथ हैं – निचला और ऊपरी। ऊपरी परिक्रमा पथ इस स्तूप की विशिष्टता है।





## नागालैंड का प्रसिद्ध हॉर्नबिल महोत्सव

- नागालैंड का प्रतिष्ठित हॉर्नबिल महोत्सव 2024 का 25वां संस्करण 3 दिसंबर से नागा हेरिटेज विलेज किसामा में आरंभ होगा, जो कोहिमा से 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
- इस महोत्सव का नाम पक्षी "इंडियन हॉर्नबिल" के नाम पर रखा गया है, जो राज्य की अधिकांश जनजातियों की लोककथाओं में वर्णित है।

पुनाली





### नागालैंड का प्रसिद्ध हॉर्नबिल महोत्सव

- यह 10-दिवसीय महोत्सव नागा जनजातियों की समृद्ध परंपराओं, संस्कृति और जीवन का उत्सव है। इसे "त्योहारों का त्योहार" भी कहा जाता है।
- इस बार जापान सहयोगी देश के रूप में शामिल होगा और सांस्कृतिक प्रदर्शनों, कार्यशालाओं और बांस उत्पादों की प्रस्तुति करेगा।



### नागालैंड का प्रसिद्ध हॉर्नबिल महोत्सव

- महोत्सव नागालैंड की 17 जनजातियों की विविधता को प्रदर्शित करता है, जिसमें उनकी विशिष्ट पोशाकें, परंपराएं और रीति-रिवाज शामिल हैं।
- मुख्य आकर्षणों में सांस्कृतिक दलों के प्रदर्शन, पारंपरिक नृत्य, स्वदेशी खेल, हस्तशिल्प प्रदर्शन, नागा किंग मिर्च खाने की प्रतियोगिता, द्वितीय विश्व युद्ध रैली, माउंटेन बाइकिंग, बांस कार्निवल, और नाइट कार्निवल शामिल हैं।



## नागालैंड का प्रसिद्ध हॉर्नबिल महोत्सव

- पारंपरिक पत्थर खींचने की रस्म, हेरिटेज वॉक, फिल्म महोत्सव, नागा कुश्ती, और बच्चों के लिए कार्निवल भी महोत्सव का हिस्सा हैं।
- दिसंबर 2000 में शुरू हुआ यह महोत्सव, भारत के प्रमुख सांस्कृतिक आयोजनों में शामिल हो गया है और वैश्विक स्तर पर पहचान बना चुका है।

पश्चिमी धार

आन्ध्र प्रदेश  
केरल ] राज्य पक्षी

## नागालैंड के बारे में

गठन - 1 दिसम्बर 1963

राजधानी - कोहिमा

राज्यपाल - ला गणेश्वर

मुख्यमंत्री - नेल्सु रिघो

विधानसभा - 60 सीटें

लोकसभा - 1 सीट

राज्यसभा - 1 सीट

राष्ट्रीय उद्यान - नगातकी राष्ट्रीय उद्यान

महोत्सव - आमोलांग महोत्सव, हार्मिचिल महोत्सव  
रोखु एप्रोंग



### नागालैंड का प्रसिद्ध हॉर्नबिल महोत्सव

- नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो ने इसकी अंतरराष्ट्रीय पहचान पर गर्व व्यक्त किया और नई सुविधाओं की घोषणा की।
- यह महोत्सव संस्कृति, एकता और नागालैंड की समृद्ध विरासत का प्रतीक है।

# ग्रेट हॉर्नबिल

- ग्रेट हॉर्नबिल मुख्य रूप से घने सदाबहार और आर्द्र पर्णपाती वनों में रहता है, और ऊँचे पेड़ों की छत्री में निवास करता है।
- इसे IUCN द्वारा असुरक्षित (Vulnerable) के रूप में वर्गीकृत किया गया है, ग्रेट हॉर्नबिल को CITES परिशिष्ट 1 में सूचीबद्ध किया गया है और यह वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची 1 के तहत संरक्षित है।





# ग्रेट हॉर्नबिल

- भारत में, यह पश्चिमी घाट और हिमालय में पाया जाता है। यह अरुणाचल प्रदेश और केरल का राज्य पक्षी है।
- भारत में कुल 9 हॉर्नबिल प्रजातियाँ हैं, जिनमें "ग्रेट हॉर्नबिल" सबसे प्रसिद्ध है।





### घरचोला को GI टैग

- "घरचोला" गुजरात की पारंपरिक साड़ी है, जो खासकर हिंदू और जैन समुदायों द्वारा शुभ अवसरों, जैसे विवाह में पहनी जाती है।
- इसके पारंपरिक रंग लाल, मैरून, हरा, और पीला होते हैं, जो धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखते हैं।





### घरचोला को GI टैग

- यह साड़ी आमतौर पर कॉटन या सिल्क से बनाई जाती है, जिस पर जरी का बारीक काम किया जाता है।
- साड़ी पर मोर, कमल, और फूल-पत्तियों जैसे पारंपरिक डिजाइन बनाए जाते हैं।
- "घरचोला" की पहचान इसके विशिष्ट ग्रीड पैटर्न से होती है।



## घरचोला को GI टैग



- यह साड़ी अपनी बारीक कारीगरी और पारंपरिक डिजाइनों के लिए जानी जाती है, जिसमें आधुनिक तकनीकों और नए डिजाइनों का भी समावेश हो रहा है।
- हाल ही में "घरचोला" को भौगोलिक संकेतक (GI) टैग दिया गया, जो इसकी विशिष्टता और राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय पहचान को बढ़ावा देता है।

— भौगोलिक संकेतक

Geographical Indication

— 21

- भारत में NITों की शुरुआत - 15 सितम्बर 2003 हुई थी
- हाल ही में गुजरात के 27 उत्पादकों को NITों दिया गया है  
↳ 23 हस्तशिल्प हैं
- पहला NIT बैंगलोर की याचिका 2004 में दिया गया था
- सबसे ज्यादा NITों प्राप्त करने वाला राज्य UP है
- सबसे ज्यादा NITों प्राप्त करने वाला शहर वाराणसी है

દાલ ઠી કે યકાન કિયે ડાલે બા ઠો

① પશ્ચીના ડન - ત્હારવ

② અજરવ ઝિલ - ગુજરાત

③ સાંક્ષી કાલ - મચુરા

④



### घरचोला को GI टैग

- "वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट" (ODOP) योजना के तहत इसे प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे इसे वैश्विक बाजार में और अधिक पहचान मिल रही है।

# GI टैग

- भौगोलिक संकेतक (Geographical Indication, GI) टैग किसी उत्पाद को उसकी भौगोलिक उत्पत्ति, गुणवत्ता, और विशिष्टता के आधार पर दिया जाने वाला एक प्रमाण है। यह संकेतक किसी उत्पाद को एक विशिष्ट क्षेत्र, शहर, या देश से जोड़ता है और उसकी विशेषता को प्रमाणित करता है।





# GI टैग

## GI टैग का महत्व

- **1. विशिष्टता की पहचान:** यह किसी उत्पाद की गुणवत्ता और परंपरागत कारीगरी को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित करता है।
- **2. बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR):** GI टैग से उत्पाद को कानूनी संरक्षण मिलता है, जिससे नकल को रोका जा सकता है।



# GI टैग

## GI टैग का महत्व

- **3. आर्थिक लाभ:** उत्पाद की मांग और कीमत में वृद्धि होती है, जिससे उत्पादकों और कारीगरों को आर्थिक लाभ मिलता है।
- **4. सांस्कृतिक संरक्षण:** यह सांस्कृतिक धरोहर और पारंपरिक तकनीकों को संरक्षित करने में मदद करता है।
- **5. उत्पादकों का सशक्तिकरण:** यह छोटे और स्थानीय उत्पादकों को बड़े ब्रांड के रूप में पहचान दिलाने में सहायता करता है।



# GI टैग

## GI टैग के लाभ

- 1. वैश्विक बाजार में पहचान: GI टैग प्राप्त उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी अलग पहचान बनाते हैं।
- 2. पारंपरिक ज्ञान का संरक्षण: यह कारीगरों और किसानों के पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करता है।



# GI टैग

## GI टैग के लाभ

- 3. स्थानीय रोजगार: क्षेत्रीय उत्पादों की मांग बढ़ने से रोजगार के अवसर बढ़ते हैं।
- 4. नकली उत्पादों की रोकथाम: GI टैग से उत्पाद की प्रामाणिकता सुनिश्चित होती है, जिससे नकली उत्पादों की बिक्री रोकी जा सकती है।



# GI टैग

## कानूनी आधार

- GI (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999: भारत में भौगोलिक संकेतों के पंजीकरण को शासित करने वाला प्रमुख कानून भौगोलिक संकेतों के सामान (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 है। यह अधिनियम GI उत्पादों के पंजीकरण और संरक्षण के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करता है, ताकि केवल वही उत्पाद GI टैग का उपयोग कर सकें जो गुणवत्ता, प्रामाणिकता और उत्पत्ति के निर्धारित मानकों का पालन करते हों।



# GI टैग

प्रबन्ध और अंतिम जायजरी जकारत

## कानूनी आधार

- भौगोलिक संकेत (GI) नियम, 2002: ये नियम 1999 अधिनियम के तहत बनाए गए थे और GI के पंजीकरण, आवेदन प्रक्रिया और अन्य औपचारिकताओं को निर्धारित करते हैं।

2004  
कानूनी  
प्रक्रिया

